सत्य और अर्थपूर्ण जीवन की खोज करने वालों के लिए

मृत्युंजय ख्रिस्त

लेमेन्स इवैंजलिकल फैलोशिप इंटरनेशनल, मार्च-अप्रैल, 2013

तुम अपने नहीं हो

'क्यों कि जो कोई अपना प्राण चाहे वह उसे खोएगा, पर जो कोई अपना प्राण मेरे लिए खोए वह उसे बचाएगा।' (लूका 9:21)

यीशु मसीह यहाँ एक महान सत्य प्रकट कर रहें है। पवित्र बाइबल की सूक्तियाँ, इस संसारिक सुक्तियों के विपरीत है। अगर कोई महान बनना चाहे, उसे अपने आप को दीन करना पड़ेगा। अगर कोई अनुग्रह और सामर्थ्य से भर पूर होना चाहे तो, उसे पहले अपने स्वार्थ के लिए मरना पड़ेगा। अगर ज्ञानी बनना चाहे तो उसे पहले अपने को एक मूर्ख मानना पड़ेगा।

पहाड़ी पर उपदेश - पुनः जनित जिन्दगी की एक सहज परिणाम है जो पूर्ण रूप से विकसित तथा सिद्ध है। जो तुम

तुम अपने नहीं हो ... पृष्ठ २ पर

आत्मिक उन्नति के लिए देखना न भूलें।

परमेश्वर की चुनौती

STAR UTSAV

चैनल पर

*हर **शनिवार सुबह** 8:**30** से 9:**00** बजे*

परमेश्वर के साथ सही बनो

'अहा! परमेश्वर का धन, बुद्धि और ज्ञान कितने अगाध हैं! उसके विचार कैसे अथाह, और उसके मार्ग अगम्य हैं। (रोमियों 11:33)'

हम ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ सब कुछ उपरी और असहज हैं। इस में कोई सन्देह नही है। सब कुछ चमकीली पन्नी, दिखावे की सतह और चाँदी के रंग में, चमचमाती क्रोम की परत के समान है। कुछ विपत्ति या दुर्घटना घटती है तो, जो कुछ भी बचता है वह सिर्फ छोटे-छोटे टुकड़े है। और टेढ़ा-मेढ़ा लोहे का कंकाल, जो पहचान से परे है। मगर ज्यादातर लोग अपनी संसारिक धन-सम्पत्ति की अल्पकालिक चमक-दमक के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा देते है।

दुर्भाग्यवश कई कलीसियाँओं को भी इस छिछले ऊपरी दिखावे ने जकड़ लिया है। ऐसा मन-परिवर्तन जिस में पश्चाताप करने की जरूरत नहीं है - आज अधिकतर कलीसियाएं और प्रचारक लोग यही प्रचार कर रहे हैं। मन को गहराई से खोदना, अपने जीवन पर राज करनेवाले दुष्ट उद्देश्यों पर से परदा हटाना और छिपे हुए पापों के बारे में पश्चाताप करना, यह सब लोगों को बुरा लगता है। यह ऐसी बात है जिसका मानवीय स्वभाव विरोध करता है। उघाड़ने से और मन के गहराई से जाँचे जाने से हम घृणा करते हैं। मगर प्रभु यीशु केवल यही करते हैं। जाँच-पड़ताल और रोग-जाँच, इलाज करने के लिए ज़रूरी है।

ऐसे रोग के लक्षण बताकर जो तुम में है ही नहीं, तुम अपने डॉक्टर को गुमराह करने की कोशिश कभी नही करोगे। तुम डॉक्टर को जहाँ तक हो सके, रोग के लक्षण का सही-सही विवरण देना चाहोगे, ताकि तुम्हारी समस्या क्या है, पता लगाने में डॉक्टर की मदद हो सके।

संत पौलुस पुकारते है, 'परमेश्वर का धन, बुद्धि और ज्ञान कितने अगाध है। उसके विचार कैसे अथाह, और उसके मार्ग कैसे अगम्य है।'

हाँ, यीशु मसीह में गहराइयाँ है। शुद्धता, सामर्थ्य और पूर्णता में भी गहराइयाँ है। जब हमारे चारों ओर के ईसाई लोगों की आज की हालत को देखोगे तो, सिर्फ हमारी इच्छा छिछली ही नज़र आती है। प्रारम्भ में जो चेले

थे, ऐसे व्यक्ति थे, जो किसी भी परिस्थिति का सामना कर सकते थे, इस गहरे आश्वासन से कि उनका प्रभु जो फिर से जी उठा है, वह उन्हें बार-बार छुटकारा देगा। यीशु उनके लिए ज़रूरत से ज्यादा था। उनका, ऐसा विश्वास था। मूर्तिपूजा करने वालों और अनैतिक समाज के बीच वे विजेताओं से बढ़कर थे।

मसीह आज भी पर्याप्त है। उनके वादे हमारे लिए काफ़ी हैं। मसीह में स्थित निधि और परमेश्वर के वचन की गहराइयों में जब तुम पहुँचते जाओगे, तो तुम्हारा हृदय एक नई आशा और एक नए अवलोकन से रोमांचित हो उठेगा। तुम सीधे उस खान कूप में पहुंचते हो। और चारों ओर स्फटिक में स्थित सोने की ठोस लकीरें दिखती हैं, वह केबल-कार तुम को गहराई और गहराई में ले जायेगी। वह सब तुम्हारा है। परमेश्वर तुम्हारा ज्ञान है। वह तुम्हारा उद्धार है। वह तुम्हारा पवित्रीकरण है। यीशु मसीह में यह सारे धन तुम्हारे लिए है। यहाँ तक कि उसने अपने अपको हमारे लिए दे दिया है। उसके पास ऐसा कुछ भी नहीं जिससे उसने, हमें वंचित रखा।

मेरे पिताजी बड़ी आध्यात्मिक गहराई वाले आदमी थे। और दूसरों में भी वह गहराई देखना चाहते थे। उनके जीवन काल में, हजारों लोगों को मन-परिवर्तन के गहरे अनुभव में लाने के लिए परमेश्वर ने उनको सामर्थ दी। उनमें से करीब-करीब सब लोगों ने प्रार्थना करना सीखा था। और हर रोज एकान्त में प्रार्थना करने की आदत डाली थी। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं कि अस्वस्थ लोगों को चंगा करने में और अशुद्ध आत्माओं को बाहर निकालने में, परमेश्वर ने उन्हें महान रूप से उपयोग किया था। परमेश्वर का वचन उन सारी अन्धकार की शक्तियों के कामों के ऊपर प्रबल और विजयी रहा है।

दूसरी ओर, छिछले मसीही लोग अपनी बातों से पहचाने जाते है। परमेश्वर का गहराई से अनुगमन करने वाले जन के बारे में, वे बहुत ही हल्के तरीके से बातें करते हैं। लोगों के विवाद ने, स्वयं परमेश्वर के पुत्र को भी नही छोड़ा। उनको पियक्कड़, पापियों का दोस्त और बालजबूल कहा गया। बढ़ई के पुत्र कहकर उसको तुच्छ जाना गया। मगर जहाँ उनको दुःख झेलना था और क्रूस पर मरना था, यीशु उस यरूशलेम की तरफ मुँह कर दृढ़ता से आगे बढ़े।

अब, उस पुराने जिल्द को फ़ाड दो। और उस पतली परत को खुरज कर निकाल दो, जिससे तुम अब तक अपने असली स्वभाव को छिपाते रहे हो। सच्चे पश्चाताप के साथ क्रूस के पास आओ। एक नया जीवन पाने के लिए प्रभु यीशु को पुकारो। उनके प्यार और निधि में और भी गहराइयाँ है जिनकी तुम्हें खोज करनी है।

- जोशुआ दानिय्येल

तुम अपने नहीं हो... पृष्ठ 1 से

अनुभव करने जा रहे हो, यीशु मसीह पहले से ही तुम्हें सब बता रहे है। यह अत्यंत अद्भभुत है। दुर्भाग्यवश, हम परमेश्वर के वचन को ज्यों का त्यों नहीं मानते। इसी कारण हम वैसे फल भी नहीं देखते है। अगर लोग पश्चाताप करने पर और दीन होने पर विश्वास नहीं कर पायेंगे तो ऐसे फल कैसे देख पायेंगे? अगर, हमने सचमुच पवित्रआत्मा से जन्म लिया है तो हम यह पायेंगे कि जो कुछ परमेश्वर का है वह हमारा है। और तुम्हारे सारे बच्चे परमेश्वर के अपने हो जाये तो, तुम कितनी खुशी महसूस करोगे! परमेश्वर को, अपने बच्चे सौंपने के लिए लोग इतना क्यों हिचकिचाते है। लोग इस वास्तविकता से सहमत नहीं होते कि, कैसे उनके बच्चे, उनके अपने नहीं, परमेश्वर के हैं। और बच्चों पर उनका हक, परमेश्वर से बढ़कर नहीं है।

ALLAHABAD : Beautiful Books, 194A, Old Mumford Ganj,Pin Code-211 002, Uttar Pradesh, Ph.0532- 2642872.
BANSI : Eton English Medium School,Chitaunakothi,Siddharth Nagar Dt, Pin Code-272 153, Uttar Pradesh, ph.05545-255002
CHENNAI : LEF Head Quarter, 9-B, Nungambakkam High Road, Chennai, 600 034, 044-2827 2393
MUMBAI : Beautiful Books,Hotel Victoria, Ground Floor,SBS Marg,Near GPO, CST, Pin Code.400001, Ph.022-56334763/ 25008840
GANGTOK : Beautiful Books, P.B.No.94,31A, National Highway, Below High Court, Sikkim, Pin Code.737101 Ph.03592-228733
SHILLONG : Beautiful Books, P.B.No.39, Nongrimbah Road, Laitumkarh,Pin Code.793003, 0364-2501355

कुरिन्थियों (6:19), 'क्या तुम नहीं जानते कि तुम में से प्रत्येक की देह पवित्र आत्मा का मन्दिर है, जो(पवित्र आत्मा) तुम में है और जिसे तुमने परमेश्वर से पाया है, कि तुम अपने नहीं हो?' हम अपने नहीं है। क्या तुम जानते हो कि तुम्हारी देह तुम्हारी अपनी नहीं है। तब, जब तुम परमेश्वर की आराधना करने जाओ तो, अपनी देह को सुसज्जित कैसे करें, तुम जान पाओगे। तुम्हारा चेहरा तुम्हारा नहीं है। परमेश्वर के सामने क्या तुम्हारा मुख स्वीकार योग्य है? परमेश्वर के वचन से जब तुम अपने हृदय को साफ करोगे तो स्वर्गीय सौंदर्य तुम्हारे चेहरे पर झलकेगा। मैं ने एक औरत को देखा जिसका चेहरा दमक रहा था। उस स्त्री से बात करने पर मुझे पता चला कि उसका मन परिवर्तित है। तुम अपने नहीं हो। और इस बात को जान पाना आध्यात्मिक जीवन में एक महत्व पूर्ण कदम है। अगर तुम उस स्तर तक नहीं पहुँचे हो तो तुम्हें पछताना चाहिए। अपने बच्चों की बीमारियाँ और सताव के विषय में, कई मातायें दोषी ठहराने योग्य है। क्यों कि वे इस स्तर पर नहीं पहुँची, जहाँ वे समझ पातीं कि उनके बच्चे अपने नहीं है। ऐसा समय आ रहा है जब तुम अपनी इस देह और अपने वस्त्रों को त्याग दोगे। तुम अपने नहीं हो। तुम सोचते हो कि घर तुम्हारा अपना है। नहीं, वह तुम्हारा नहीं। तुम जितना उसे परमेश्वर की महिमा के लिए इस्तेमाल करोगे, उस हद तक वह तुम्हारा बनेगा। तुमने एक घर का निर्माण किया है। मगर तुम उस में लम्बे समय तक निवास नहीं कर पाओगे। क्यों कि तुम सोचते हो कि वह तुम्हारा अपना है। शाऊल ने सोचा कि सिंहासन उसका अपना है। मगर उसने उसे खोया।

इतिहास (17:27) 'और अब तुझे अच्छा लगा कि तू अपने दास के घराने को आशिष दे जिस से वह सदैव तेरे सम्मुख बना रहे; क्यों कि हे यहोवा, तू आशिष दे चुका है, इसलिए वह सर्वदा के लिए आशीषित है।' दाऊद ने चाहा कि परमेश्वर सुलैमान को आशीषित करे। उसने अपने बेटे सुलैमान से, परमेश्वर को एक सिद्ध हृदय द्वारा खोजने के अलावा, किसी और चीज पर निर्भर न रहने के लिए सलाह दी। इसलिए दाऊद का साम्राज्य बना रहा। जो अपना प्राण खोता है; जो अपनी संपत्ति खोता है; जो अपना बढ़प्पन खोता है - वह उसे पायेगा। जब हम अपना सर्वस्व परमेश्वर के लिए त्याग दें तो यह कितनी भव्य बात है। जब तुम यह सोचते हो कि जितने भी तुम्हारे घर में है, और जो भी वस्तु तुम्हारे घर में है, वह सब परमेश्वर की हैं, तब परमेश्वर पर तुम्हारा भरोसा कितना महान होगा!

एन. दानिय्येल।

आश्चर्यजनक छुटकारा

वह 11 सितंबर 2001 का दिन था, अभी सुबह का नौ बजा था। स्टान्ली प्रियमनाथ जो फ्यूजी बैंक के उपअध्यक्ष थे न्यूयार्क के 'वार्ल्ड ट्रेड सेन्टर' इमारत के दक्षिणी टावर में अपने दफ्तर में बैठे हुए थे, अचानक फोन की घंटी बजी।

'क्या आप समाचार देख रहे हो?' शिकागो ऑफीस से एक औरत ने पूछा। 'क्या आप ठीक हो?' 'मैं ठीक हूँ।' सोचते हुए कि उस औरत ने क्यों फोन किया उन्होंने उत्तर दिया।

आदतन उन्होंने 'स्टाट्यू ऑफ लिबर्टी' देखने के लिए मुड़े और खिड़की से बाहर झाँका। बहुत नीची, उड़ान भरता एक यात्री विमान सीधा उन्हीं के टावर की तरफ आता अकाल्पनिक दृश्य, उनके नजारे के बीच में आया। बात आधी छोड़कर, फोन पटका, एकदम गोता लगाकर, जमीन पर बैठ गये। मेज के नीचे धुसकर परमेश्वर को प्रार्थना करने लगे, 'प्रभु, मेरी सहायता करो'। पूरे मन से उन्होंने प्रार्थना की और वह विमान टावर की तरफ लहराते आ टक्कराया। जेट-ईंधन की गंध हवा में फैल गई। सब चीजे चारों तरफ छिन्न-भिन्न बिखर गईं। जमीन पर कंकर और हवा में धूल और मलबे के टीलों को हटाकर वह बाहर निकलने की कोशिश करने लगे।

सत्य की परख

"तब उन्होंने संकट में यहोवा की दुहाई दी, और उसने उन्हें विपत्ति में से छुड़ाया' (भजन संहिता 107:6) "

'प्रभु मुझे अपने परिवार के पास वापस जाना है।', घरघराते कहा, 'मुझे अपनी बेटियों को देखना है।' तभी उन्होंने एक रोशनी देखी। 'मैं आप की मदद के लिए आया हूँ।'

'यह मेरे रक्षक-स्वर्ग दूत है।' उन्होंने सोचा, 'मुझे मदद करने के लिए प्रभु ने किसी को भेजा है!'

प्रियमनाथजी के रक्षक-दूत बैन क्लार्क थे, जो एक सच्चे ईसाई थे और तीन मंजिल नीचे काम करने वाले प्रबन्धक थे। आश्चर्यजनक दोनो सुरक्षित उस कंकर के ढेरों से बाहर आये।

प्रियमनाथ जी ने कहा, 'ज़रूर मेरे लिए प्रभु ने कुछ काम रखा है जो अभी अधूरा है।' उस दिन पहने चिथड़े हुए कपड़ों को उन्होंने एक बक्से में रखा और उस पर चारो तरफ 'मुक्ति' लिखा।

उन्होंने, अपनी पत्नी से कहा, 'जब कभी मैं अध्यात्मिक रूप से ठंडा पड़ जाऊ तो, मैं चाहता हूँ कि मुझे याद दिलाने के लिए तुम इस बक्से को मेरे पास ले आना, उसे खोल कर मुझे दिखाना कि परमेश्वर ने मुझे कहाँ से बचा कर लाए हैं।'

'जिस चट्टान से तुम तराशे गए और जिस खदान से खोदे गऐ, उस पर दृष्टि-आस करो।' (यशायाह 51:1)

एक गरीब परिवार की कृतज्ञता

ठंडी शाम का समय था। एक गरीब धार्मिक आदमी अपनी पत्नी और बच्चों के साथ अपनी छोटी सी अंगीठी के पास बैठा हुआ आँच सेक रहा था। उसने उनसे कहा, 'आज मैं पवित्र वचन के उस भाग के बारे में बहुत सोच रहा था जहाँ यीशु के बारे में लिखा है, 'मनुष्य के पुत्र के लिए सिर छिपाने को भी कहीं जगह नहीं है।' यह कितनी अद्भुत बात है कि हम पर जो पापी, असहाय और अत्यंत निकम्मे है, यीशु से बढ़कर इतनी मेहरबानी की जाए!'

'सचमुच यह कितनी अद्भुत बात है, पिताजी!' सब से बड़ी लड़की ने कहा; 'अमीर लोगों के घर और उनके रहन-सहन की तुलना में, हाँलाकि हमारा घर बहुत छोटा है और खाना अपर्याप्त है फिर भी लगता है यीशु मसीह को हमारे जितना भी अच्छा आसरा नहीं मिला है।'

'साराह, तुम्हें इस तरह की बातें कहतेदेख मुझे बहुत खुशी हुई, ' उसकी पत्नी ने कहा। 'इस ठंडी रात के समय हमारे इस छोटे से घर में हम सब कितने खुश हैं; चाहते ही, आरम से लेटने के लिए हमारे लिए बिस्तर तैयार हैं जबकि बाहर चुभाती कीलों की सी ठंडी और चलती तुफानी हवा है फिर भी हम यहाँ गरम और आराम से हैं; मगर जैसेकि पिताजी ने कहा, मनुष्य के पुत्र के लिए सिर रखने का भी कहीं स्थान नहीं है। 'ओह, यह विचार, हमें उनकी अनेक कृपाओं के लिए कृतज्ञता से भर दे!'

'टॉमी,' पिताजी ने कहा, 'उस गीत को लाओ जो हमारे प्रिय पादरी ने पिछले हफ्ते सन्डेस्कूल में दिया था; हमारे मन खुशी से भरे है, इनको ऐसा बनाए रखने के लिए गाना गायें। '

सारा समूह - पिता, माता ओर बच्चों ने तब, मिलकर एक पवित्र उत्सुकता और खुशी से यह गाना गया, 'मनुष्य के पुत्र को सिर रखने का स्थान नहीं।'

- चुनी हुई।

एक नाई और एक प्रचारक

एक बार एक नास्तिक नाई और एक प्रचारक, एक गंदी बास्ती से पैदल जा रहे थे। नाई ने प्रचारक से कहा: 'इसीलिए मुझे विश्वास नहीं हो कि एक परमेश्वर है और वह प्रेम है। अगर परमेश्वर सचमुच करुणामय और प्रेमालू होता, जैसाकि आप दावा करते हो, इतनी गंदगी, गरीबी, रोग सहने की नौबत इन लोगों पर आने नहीं देता। इन बेचारों को मादक पदार्थों की लत और दूसरे व्यक्तित्व-नाशक व्यसनों का आदी होने से बचाता। नहीं, मैं ऐसे परमेश्वर पर विश्वास नहीं करता जो इन सब चीजों की अनुमति दे।'

पादरी तब तक खामोश था जब तक उनकी मुलाकात एक ऐसा आदमी से ना हुई, जो अत्यंत फूहड़ और गंदा था। उसके बाल और दाढ़ी बहुत बढ़ी हुई थी। पादरी ने कहा: 'आप एक अच्छा हज्जाम नहीं हो सकते, नहीं तो आप अपने आस-पड़ोस के रहने वाले को बिना हजामत किये कैसे रहने देते?' रोष भरे नाई ने उत्तर दिया: 'उस आदमी की हालत के लिए आप मुझे क्यों दोषी ठहराते हो? उसकी हालत के लिए मैं कसुरवार नहीं। वह मेरी दुकान में कभी आया ही नहीं, अगर आया होता तो मैं उसकी अच्छी हजामत करके बिलकुल एक सज्जन दिखने लायक बनाता!' भेद्यता से नाई की तरफ देखकर पादरी ने कहा: 'तब, परमेश्वर को भी आप दोषी मत ठहराओ कि वे लोगों को अपने बुरे कामों में आगे बढ़ने दे रहे है जबकी वह लगातार उनको आमन्त्रण दे रहे है कि वे आयें और उद्धार पाये।' सत्य कहे तो, परमेश्वर आप को तब तक बदल नहीं सकते जब तक आप आगे ना आयें और परमेश्वर से सहायता माँगे कि वे अच्छाई के लिए, आप में बदलाव लाये।

- चुनी हुई।

सच्चा पश्चाताप

बहुत साल नही बीते जबकि अखबार में अल जॉनसन की कहानी छपीथी जो केनसॉस का रहने वाला था। उन्होंने पश्चाताप किया और यीशु मसीह को अपना मुक्तिदाता मानकरविश्वास करने लगा था। उनकी कहानी की खासियत सिर्फ उनके मन फिराव के बारे में ही नहीं, बल्कि जो उस के बाद आये परिणाम थे, उनमें थी। मसीह में पाया हुए नए विश्वास के कारण, उन्होंने इस विषय में कबूल किया कि जब वह उन्नीस साल का था कैसे उन्होंने एक बैंक में डाका डाला था। कालातीत होने के कारण इस अपराध के लिए जॉनसन, पर मुकदमा नहीं चलाया गया। मगर अपने हृदय का संपूर्ण बदलाव होने के कारण उन्होंने ना केवल अपना अपराध स्वीकार किया बल्कि स्वेछा से चोरी किया गया अपने हिस्से का पैसा उन्होंने वापस बैंक को लौटा दिया! पवित्र वचन के व्दारा पवित्रात्मा, आपको बदलता है। यह बदलाव आपना जीवन में दिखाने की सामर्थ आप में आती है, जैसाकि उसमें हुआ था, जो पहले डकैत था।

- चुनीहुई।